जालंधर ब्रीज

PUNHIN01927-TC

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY •YEAR-1 • EDITOR: ATUL SHARMA • 22 JULY TO 2 8 JULY 2019 • VOLUME- 1 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • Mobile: 99881-15514 • email:atul_editor@jalandharbreeze.com

जालंधर-फगवाड़ा नैशनल हाइवे बना परेशानी का सबब

»जलभराव से हो रही है दुर्घटनाएं » NHAI के लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

■ जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

देश व शहर में राष्ट्रीय मार्ग जहां विकास का माध्यम है, वहीं इन दिनों कई स्थानों पर इनके निर्माण को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते जालंधर ब्रीज अखबार ने स्थानीय लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पीएपी चौक और रामामंडी चौक से सटे जालंधर-फगवाड़ा रोड़ पर राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण संचालन और रख-रखाव बारे कई गंभीर मुद्दे उठाए है। जालंधर से फगवाड़ा तक उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग पिछले 10 वर्षों से निर्माणाधीन है। यह पूरा मामला लोक अदालत कपूरथला की चेयपर्सन मंजू राणा के विचाराधीन था, वह एक ईमानदार अधिकारी थी। वह पदमुक्त हो गई क्योंकि वह बहुत ईमानदार अधिकारी थीं और लुधियाना में NHAI के टोल पर सात दिनों से पैसा इकट्ठा करने के लिए रोक दिया था। राष्ट्रीय राजमार्ग के उचित रखरखाव के लिए NHAI अधिकारियों को कुशलतापूर्वक, ईमानदारी से काम करने और NHAI के नियमों को पत्र और भावना से लागू करने के लिए कहने के बजाय, अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करने वाले अधिकारी का तबादला कर दिया गया है। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के पास पीएपी चौक और रामामंडी चौक में NHAI के जल भराव का मुख्य मुद्दों में एक है। चूंकि NHAI की नालियां ठीक से काम नहीं कर रही जिससे हर दिन बड़ी दुर्घटनाएं होती है। इस बारे में सही जानकारी जुटाने के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन से रिकार्ड की जाँच प्राप्त की जा सकती है।

जालंधर ब्रीज अखबार के माध्यम से प्रशासन व सरकार से मांग की जाती है कि इस मामले की जांच की जाए ताकि मानव जीवन को नुकसान पहुंचाने वाली बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। साथ ही कथित ढंग से लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर उचित कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में मानव जीवन की क्षति न हो पाएं।

जालंधर-फगवाड़ा नैशनल हाइवे पर अलग-अलग जगहों पर बरसात के कारण खड़े हुए पानी के दृश्य।

अंतरिक्ष में भारत की बड़ी उड़ान

जीएसएलवी मार्क-3 एम-1 के जरिए चंद्रयान-2 को लॉन्च किया गया। जीएसएलवी भारत में अब तक बना सबसे शक्तिशाली रॉकेट है इसीलिए इसे बाहुबली रॉकेट भी कहा जाता है।

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

चंद्रयान-2 के जरिए भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में एक और इतिहास रच दिया है. मिशन चंद्रयान की लॉन्चिंग नीयत समय 2.43 मिनट पर हुई. इसकी गिनती रविवार शाम 6.43 मिनट पर 20 घंटे की उल्टी गिनती शुरू हुई थी। चंद्रयान-2 को चेन्नई से लगभग 100 किलोमीटर दूर सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र में दूसरे लांच पैड से प्रक्षेपण किया गया. इस मिशन में 978 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इस मिशन के जरिए 11 साल बाद इसरो दोबारा चांद पर भारत का झंडा लहराएगा। यह भारत का दूसरा चांद मिशन है। इससे पहले 2008 में चंद्रयान-1 को भेजा गया था।

चंद्रयान-2 को तीन हिस्सों में बांटा गया है। पहला ऑर्बिटर है, जो चांद की कक्षा में रहेगा। दूसरा लैंडर है जिसका नाम विक्रम है ये चांद की सतह पर उतरेगा और तीसरा हिस्सा है प्रज्ञान जो कि रोवर है, ये चांद की सतह पर घूमेगा। चंद्रयान-2 करीब 3 लाख 84 हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद चंद्रमा पर उतरेगा। इसे चंद्रमा पर उतरने में करीब 55 दिन लगेंगे। यह चंद्रयान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर उतरेगा। इस यान के उतरने के बाद वैज्ञानिकों को चांद के कई रहस्यों के बारे में जानकारी मिलेगी। चंद्रयान-2 मिशन इसरो के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। ऐसा इसलिए कि पहली बार इसरो चांद पर रोवर उतारने जा रहा है और ये मिशन कामयाब होता है तो भारत, रूस, अमेरिका, चीन के बाद चौथा देश बन जाएगा जिसने दूसरे खगोलीय पिंडों पर रोवर उतारा हो।

शपथ

प्रगति की राह पर अगला कदम

अतुल शर्मा
संपादक जालंधर ब्रीज

हमारा साप्ताहिक समाचार पत्र जालंधर ब्रीज स्वस्थ और सैद्धांतिक पत्रकारिता का अपना दायित्व बखूबी निभायेगा। परमपिता परमेश्वर की असीम अनुकम्पा, कुछ महानुभावों के संरक्षण, प्रिय साथियों और सहयोगियों के सहयोग के अलावा हमारी टीम अथक परिश्रम करके आपको हर खबर से जोड़ेगी । जालंधर ब्रीज को कामयाब बनाने के लिए ईश्वर द्वारा मिलाए गए संरक्षकों, सहयोगियों, परिवारिक सदस्यों व सुधि पाठकों का विशेष योगदान ही होगा। जालंधर ब्रीज सुस्वस्थ, सैद्धांतिक निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के रास्ते पर चलने का संकल्प लेता है। नकारात्मकता, अश्लीलता, अनैतिक और भ्रमित करके लूटने वाले विज्ञापनों को कभी प्रकाशित नहीं करेगा। आज मैं जिस मुकाम पर आगे बढ़ने के लिए खड़ा हूं। उस प्रगति के सफर पर आगे कदम बढ़ाने से पूर्व मैं अनमोल सहयोग देने वाले महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जिंदगी के अनुभव में जिन्होंने मुझे अखबार निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उनका यहां जिक्र जरुर करुंगा। रोहित शर्मा, अंकुश शर्मा के अनमोल सहयोग के बिना मैं इस मुकाम पर कभी नहीं पहुंच पाता।

कर्नाटक का सियासी भूचाल

सबकी नजर हम पर है, मुझे बलि का बकरा ना बनाएं-स्पीकर

■ बेंगलुरु/ब्यूरो

कर्नाटक में 14 महीने पुरानी कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन सरकार के भविष्य का फैसला करने वाली विधानसभा की कार्यवाही की शुरुआत करते हुए अध्यक्ष के. आर. रमेश ने सरकार से कहा कि वह शक्ति परीक्षण की प्रक्रिया सोमवार को पूरी करने के अपने वादे का सम्मान करे। सदन की कार्यवाही एक घंटा देरी से शुरू हुई। अध्यक्ष ने यह स्पष्ट किया कि ''चर्चा अब शुरू की जाए। सबकी नजर हम पर है। मुझे बलि का बकरा ना बनाएं। अपने लक्ष्य तक पहुंचें।'' उन्होंने इसपर जोर दिया कि यह प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो जानी चाहिए। मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में एक पंक्ति का विश्वास प्रस्ताव रखा था। गौरतलब है कि कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन के 16 विधायकों के इस्तीफे और दो निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापस लेने के कारण राज्य की गठबंधन सरकार का भविष्य डांवाडोल लग रहा है।

विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुक्रवार को भी जारी रही और राज्यपाल द्वारा इसे समाप्त करने के लिए तय दोनों समय-सीमा का पालन नहीं हुआ। राज्यपाल वजुभाई वाला ने पहले शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे तक और बाद में दिन की समाप्ति तक प्रक्रिया पूरी करने को कहा था। शुक्रवार को प्रक्रिया पूरी नहीं होने के बाद अध्यक्ष ने सरकार से यह

वादा लिया था कि वह इसे सोमवार को अवश्य पूरा करेगी। इसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। अध्यक्ष ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा, ''इससे मेरा या सदन का अपमान होगा।'' उन्होंने इसपर भी जोर दिया कि विश्वास मत प्रक्रिया में और देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारा जीवन सार्वजनिक है। जनता हमें देख रही है। अगर लोगों में यह विचार बन रह है कि चर्चा के नाम पर हम समय बर्बाद कर रहे हैं तो यह मेरे या किसी के लिए भी सही नहीं होगा।'' अध्यक्ष ने यह भी कहा कि विधायक दल के नेता को व्हिप जारी करने का अधिकार है। अध्यक्ष ने कांग्रेस विधायी दल के नेता सिद्धरमैया से कहा, ''व्हिप जारी करना आपका अधिकार है। उसका पालन करना विधायकों पर है। यदि मेरे पास कोई शिकायत आती है तो मैं नियमों का पालन करते हुए फैसला लूंगा।'' सिद्धरमैया ने व्हिप जारी करने को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा पिछले हफ्ते दिए गए आदेश के संबंध में एक सवाल उठाया था।

पुणे का इंजीनियर बनना चाहता है कांग्रेस अध्यक्ष

■ पुणे/ब्यूरो

कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद कई लोग इसके लिए अपना दावा पेश कर रहे हैं। कभी कोई कार्यकर्ता अध्यक्ष पद के लिए दावा कर रहा है तो कभी कोई आम आदमी दावा कर रहा है। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए पुणे के एक इंजीनियर

गजानंद होसाले ने कहा है कि वह इस पद के लिए अपना दावा पेश करेंगे। होसाले शहर प्रमुख को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का फॉर्म भरकर भेजेंगे। होसाले ने यह भी कहा कि कांग्रेस का पुनर्गठन देश के लिए इस समय बहुत जरूरी है। इस दौर में कांग्रेस को अपना नेतृत्व युवाओं को सौंपना चाहिए जोकि बहुत जरूरी है। गजानंद होसाले ने कहा, राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफ दे दिया है और वह अपने निर्णय पर कायम हैं। ऐसे में यह बहुत बड़ी उलझन बनी हुई है कि किस व्यक्ति को पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाए। मैं चाहता हूं कि पार्टी अध्यक्ष के तौर पर मेरा एप्लिकेशन स्वीकर किया जाए। होसाले ने कहा, राहुल गांधी खुद कई बार कह चुके हैं कि पार्टी को युवा नेतृत्व की जरूरत है। ऐसे में मैं समझ सकता हूं कि पार्टी को न सिर्फ उम्र के हिसाब से युवा अध्यक्ष की जरूरत है बल्कि दिल और सोच से भी युवा होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अध्यक्ष पद के खाली होने के कारण कई कार्यकर्ता निराश है और कुछ कार्यकर्ता पार्टी छोड़ रहे हैं. जबकि कुछ लोग दूसरी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। अध्यक्ष पद खाली होने के कारण पार्टी की प्रदर्शन पर खासा असर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा है कि पहले मैं पार्टी की सदस्यता लूंगा और फिर नियम के अनुसार इस फॉर्म को भरकर भेजूंगा। मैं ग्रामीण परिवेश से आता हूं और मैं समस्याओं का समाधान निकालना जानता हूं।

चक दे इंडिया

हिमा दास ने 5 गोल्ड मेडल जीते, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने बधाई दी, यूजर्स ने कहा- भारत की नई उड़न परी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

भारतीय महिला धावक हिमा दास चेकगणराज्य में नोवे मेस्टो नाड मेटुजी ग्रां प्री में अब तक पांच गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। भारतीय एथलेटिक्स के हाई परफार्मेंस डायरेक्टर वोल्कर हरमन का मानना है कि यूरोप में तीन सप्ताह में पांच मेडल जीतने वाली स्टार धाविका हिमा दास अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब है। उन्नीस साल की हिमा ने पोलैड और चेक गणराज्य में दो जुलाई के बाद से दो सौ मीटर की चार और चार सौ मीटर की एक स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस दौरान उन्होंने अपने समय में भी सुधार के साथ शानदार प्रदर्शन किया। उनकी इस सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने बधाई दी। वहीं, सोशल मीडिया पर यूजर्स ने हिमा को भारत की नई उड़न परी कहा।

हरमन ने कहा, हिमा सही दिशा में आगे बढ़ रही है। अगर आप 50 सेकंड से कम समय में दौड़ (400 मीटर) पूरी करना चाहते है तो आपके पास 22.80 सेकंड में दौड़ (200 मीटर) पूरी करने की क्षमता होनी चाहिए। हिमा ने 20 जुलाई को 400

मीटर में 52.09 सेकंड के सत्र के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ गोल्ड मेडल जीता था। हिमा ने 26 सितंबर से छह अक्टूबर तक दोहा में होने वाले विश्व चैम्पियनशिप के लिए 200 मीटर या 400 मीटर की दौड़ स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं किया है। पुरूष वर्ग में हालांकि मोहम्मद अनस ने 400 मीटर स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकार्ड के साथ विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

एक जुलाई को भारतीय एथलेटिक्स के साथ जुड़ने वाले हरमन ने कहा, हमारे पास मोहम्मद अनस भी है जो अपने रिकार्ड में ही सुधार कर रहे है और यह शानदार है। जर्मनी के हरमन ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक के लिए 25 से 30 भारतीय एथलीट क्वालीफाई कर सकते है।

उन्होंने कहा, पुरूषों और महिलाओं के 400 मीटर रिले में विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले आठ एथलीट सीधे क्वालीफाई कर लेंगे और हमारे लिये शायद यह सबसे आसान तरीका होगा। भाला फेंक और 400 मीटर दौड़ में भी हम अच्छी स्थिति में है।

ट्विटर

शीला दीक्षित जी के निधन से बेहद दुखी हूं। वे ऊर्जावान व मिलनसार व्यक्तित्व की धनी महिला थीं। उन्होंने दिल्ली के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया।

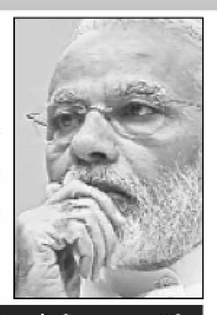

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उक्ति

इतिहास केवल सबक लेने की वस्तु है, इसलिए उससे सीखो, लेकिन उसे हमेशा अपने मन पर लादकर मत रखो। ऐसा करोगे, तो अतीत जीवी बन जाओगे, जो सही नहीं है।

- ओशो

दखल

माया के जाल में मायावती

आयकर विभाग की चपेट में आखिरकार मायावती के भाई आनंद कुमार की बेनामी संपत्ति आ ही गई। उनकी आमदनी में सात साल में 18 हजार प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जो अपने आप में बड़ा अचंभा है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब कुछ दिनों बाद यूपी में उपचुनाव होने वाले हैं। ऐसे में उन पर भी इस गड़बड़ी का साफ असर दिखाई देगा। आयकर की कार्रवाई माया के लिए बड़ा झटका साबित होगी।

आयकर विभाग की चपेट में आखिरकार मायावती के भाई आनंद कुमार की बेनामी संपत्ति आ ही गई। हाल ही में आनंद की बहुजन समाज पार्टी के उपाध्यक्ष पद पर दोबारा नियुक्ति की गई है। आनंद की कुछ ही सालों में चल-अचल संपत्ति सुरसा के मुंह की तरह बढ़ी है। उनकी 400 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। प्रवर्तन निदेशालय की भी आनंद की संपत्ति पर नजर है। उनके खिलाफजांच चल रही है। अब इस कार्यवाही के बाद मायावती की मुश्किलें बढ़ना तय हैं क्योंकि आनंद कोई ऐसा व्यापार नहीं करते हैं कि देखते-देखते वे अकूत धन-संपदा के मालिक बन जाएं? उनकी आमदनी में सात साल के भीतर 18 हजार प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जो अपने आप में अचंभा है। मायावती पर टिकट बेचने, बेहिसाब चंदा लेने और परिवारवाद को अनैतिक ढंग से बढ़ावा देने के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। लिहाजा इन विवादों पर सफाई देना अब आसान नहीं है क्योंकि उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों में ही भाजपा की सरकारें हैं। इसीलिए कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संयुक्त निर्देश पर नोएडा और ग्रेटर नोएडा में भूमि आवंटन से जुड़ी फाइलों को नए सिरे से खंगाला जा रहा है।

2011-12 में भाजपा के सांसद किरीट सोमैया ने दिल्ली आयकर विभाग को दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस क्षेत्र में दो लाख करोड़ रुपए से अधिक भूमि आवंटन घोटाले की फाइल सौंपी थी, लेकिन केंद्र में मनमोहन सिंह और उप्र में समाजवादी पार्टी की सरकार होने के कारण नतीजा शून्य रहा। इस घोटाले के उजागर होने के साथ ही मायावती की घेराबंदी शुरू हो गई है। दलित चिंतक डॉक्टर चरण सिंह ने कहा है, बसपा के नारे बहुजन हिताय, को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय में बदलकर मायावती सत्ता में वापसी की कोशिशों में जुटी हैं, लेकिन अब खुद माया के जाल में मकड़ी तरह उलझ गई हैं। परिवारवाद का विरोध करने वाली बसपा कांशीराम के मूल उद्देश्य से भटक गई है। समर्पित कार्यकर्ताओं को किनारे कर भाई-भतीजे को संगठन में शीर्ष पदों पर मनोनीत कर दिया है। पार्टी के भीतर भले ही विरोध मुखर नहीं हुआ है, लेकिन असंतोष व्याप्त हो चुका है। साफ है, कालांतर में भीम आर्मी जैसे दलित संगठनों को आनंद की इस संपत्ति के बाबत सवाल उठाने और मायावती को घेरने का सुनहरा अवसर मिल गया है।

उत्तर प्रदेश की 12 विधानसभा सीटों पर जो उपचुनाव होने हैं, उन पर भी इस गड़बड़ी का साफ असर दिखाई देगा क्योंकि आनंद और उनकी पत्नी विचित्रलता के नाम कुल 1350 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता चला है। उन पर सत्ता के दुरुपयोग का भी आरोप है। दरअसल आनंद ने 1996 में नोएडा विकास प्राधिकरण में महज 700 रुपए के वेतन पर कनिष्ठ सहायक के पद पर नौकरी की शुरुआत की थी। सात साल के भीतर ही उन्होंने इतनी नामी-बेनामी संपत्ति एकत्रित कर ली कि वे आयकर विभाग की नजरों में चढ़ गए। इसके पहले मायावती पर नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने भी 50 करोड़ रुपए लेने का आरोप लगाया था। मायावती ने उन्हें तत्काल पार्टी से निष्कासित कर दिया था। जबकि सिद्दीकी पार्टी के संस्थापक कांशीराम के साथी होने के साथ मुस्लिम चेहरा थे। दलित-मुस्लिम समीकरण को एक समय जमीन पर उतारने में भी उनकी अहम् भूमिका रही थी। किंतु 50 करोड़ रुपए की मांग पूरी न करने पर मायावती ने उन्हें दूध में पड़ी मख्खी की तरह पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिखा दिया था।

सिद्दीकी ने लगाए आरोपों को प्रमाणित करने के लिए वे ऑडियो टेप भी प्रेस वार्ता में प्रस्तुत किए थे, जिनमें मायावती और सिद्दीकी के बीच लेन-देन का वार्तालाप स्पष्ट सुनाई दे रहा था। मायावती पर टिकट बेचने के आरोप भी लगते रहे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2017 के ठीक पहले बसपा के कद्दावर नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी अचानक पार्टी छोड़ दी थी। ये आरोप इस बात के संकेत थे कि मायावती पार्टी की बुनियादी सामाजिक न्याय की अवधारणा पर खरी उतरने में नाकाम साबित हो रही हैं। सवर्ण नेतृत्व को दरकिनार कर दलित और पिछड़ा नेतृत्व तीन दशक पहले इसलिए उभरा था, जिससे लंबे समय तक केंद्र और उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों की सत्ता पर काबिज रही कांग्रेस शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय के जो लक्ष्य पूरे नहीं कर पाई थी, वे पूरे हों। सामंती, बाहुबली व जातिवादी कुचक्र टूटे। किंतु ये लक्ष्य तो पूरे हुए नहीं, उल्टे सामाजिक शैक्षिक और आर्थिक विशमता उत्तोत्तर बढ़ती चली गई।

सामाजिक न्याय के पैरोकारों का मकसद धन लेकर टिकट बेचने और आपराधिक पृष्ठभूमि के बाहुबलियों को अपने दल में विलय तक सिमट कर रह गए। राजनीति के ऐसे संक्रमण काल में जब विपक्ष को अपनी शक्ति और एकजुटता दिखाते हुए भाजपा से लड़ने की जरूरत अनुभव हो रही है, तब एक के बाद एक विपक्षी दल अंदरूनी एवं पारिवारिक संकट से जूझते दिखाई दे रहे हैं। सपा, बसपा, राजद, और द्रमुक ने पारिवारिक कलह के चलते अपनी साख लगभग खो दी हैं। बसपा को वजूद में लाने से पहले कांशीराम ने लंबे समय तक दलितों के हितों की मुहिम डीएस-4 के जरिए लड़ी थी। इसीलिए तब बसपा के कार्यकर्ता इस नारे की हुंकार भरा करते थे, 'ब्राह्मण, बनिया, ठाकुर चोर, बाकी सारे डीएस-फोर।' डीएस-4 का सांगठनिक ढांचा खड़ा करने के वक्त बसपा की बुनियाद पड़ी और पूरे हिंदी क्षेत्र में बसपा की सरंचना तैयार किए जाने की कोशिशें ईमानदारी से शुरू हुईं। कांशीराम के वैचारिक दर्शन में अंबेडकर से आगे जाने की सोच तो थी दलित-वंचितों को करिश्माई अंदाज में लुभाने की प्रभावशाली शक्ति भी थी। यही वजह थी कि बसपा दलित संगठन के रूप में मजबूती से स्थापित हुई, पर कालांतर में मायावती की पद, धनलोलुपता ने बसपा के बुनियादी ढांचे में विभिन्न जातिवादी बेमेल प्रयोगों का तड़का लगाकर उसके मूल सिद्धांतों के साथ खिलवाड़ ही कर डाला। इसी फॉर्मूले को अंजाम देने मायावती ने 2007 के चुनाव में दलित और ब्राह्मणों का गठजोड़ करके यूपी का सिंहासन जीत लिया था।

लेकिन मोदी द्वारा चलाई गई राष्ट्रवाद की आंधी में मंसूबे ध्वस्त हो गए। हालांकि, मायावती बेमेल गठबंधनों के चलते उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बना लेने के साथ पार्टी को अखिल भारतीय स्तर पर स्थापित करने में सफल रहे हैं लेकिन मोदी-लहर के आते ही बेमेल गठबंधनों का दौर खत्म हो गया और बसपा दुर्गति के दौर से गुजरने लग गई। नतीजतन 2014 के चुनाव में वह एक भी सीट नहीं जीत पाईं। मोदी के सत्ता में काबिज होने के बाद अब राजनीति का चाल और चरित्र बदल रहा है। अब महज जातीय और सांप्रदायिक समीकरणों के बूते राजनीति करना मुश्किल हो गया है?

इस लिहाज से अब वही दल और नेता राजनीति की मुख्य धारा में रह पाएंगे, जो तौर-तरीके पूरी तरह बदल लेंगे। कांग्रेस का दायरा लगातार इसीलिए सिमट रहा है, क्योंकि वह न तो चेहरा बदलने को तैयार है और न ही तौर-तरीके? राजनीति में आ रहे बदलाव इस बात के भी संकेत हैं कि अब दलों को संगठन के स्तर पर मजबूत होने के साथ नैतिक दृष्टि से भी मजबूती दिखानी होगी क्योंकि बेनामी संपत्ति के खिलाफ 2016 में संशोधित करके मजबूत कर दिया गया है। इसलिए देश में जितने भी आनंद कुमार हैं, उनका आनंद अब सुरक्षित नहीं है। उन सभी का हिसाब जल्द होने वाला है।

विशेष संपादकीय

शीला दीक्षित का निधन कांग्रेस को बड़ा झटका

शीला दीक्षित का निधन देश के साथ कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। उनके जाने के बाद अब दिल्ली कांग्रेस इकाई के सामने दो चुनौतियां हैं, जिसमें पहली है नया नेता तलाशना और दूसरी पार्टी में एकजुटता कायम करना। यह भरपाई आसान होने वाली कतई नहीं है।

दिल्ली की तीन बार मुख्यमंत्री रहीं शीला दीक्षित पंचतत्व में विलीन हो चुकी हैं। उनका निधन देश के साथ ही कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। अस्वस्थ शरीर के बाद भी शीला दीक्षित कांग्रेस को खड़ा करने में जुटी थीं। वर्ष 1998 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता से हटाकर शीला दीक्षित दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं तो फिर 15 वर्ष तक इस पद पर काबिज रहीं। विपक्षी दलों के साथ कई बार उन्हें कांग्रेस के अंदरूनी संघर्षों को झेलना पड़ा, पर हर बार वे पहले से कहीं ज्यादा ताकतवर हुईं। आम आदमी पार्टी से विधानसभा चुनाव हारने के बाद शीला दीक्षित दिल्ली की राजनीति से दूर हो गईं। उन्हें कांग्रेस ने 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में भी उतारा। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले शीला दीक्षित को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। शीला दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ थीं। वे अपने दम पर कांग्रेस को दोबारा खड़ा करने के प्रयास में जुटी थीं। शीला दीक्षित का निधन ऐसे समय हुआ है, जब अगले साल जनवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस दिल्ली में एक बार फिर उन्हें चेहरा बनाकर मैदान में उतारना चाह रही थी। गांधी परिवार के वफादारों में शुमार शीला दीक्षित के निधन के बाद पार्टी के सामने नया नेता तलाशने की चुनौती है। पार्टी को ऐसे नेता की तलाश है जो उनकी जिम्मेदारी को शीला दीक्षित की तरह बखूबी संभाल सके। दिल्ली कांग्रेस के सामने एक ऐसे नेता की तलाश करने की चुनौती उत्पन्न हो गई है, जो उनकी जिम्मेदारी संभाल सके। उनके निधन के बाद अब दिल्ली कांग्रेस इकाई के सामने दो चुनौतियां हैं, जिसमें पहली है नया नेता तलाशना और दूसरी पार्टी में एकजुटता कायम करना। नए नेता को दिल्ली इकाई को एकजुट करने की चुनौती से भी जूझना पड़ सकता है। शीला के लिए राजनीति महज स ा हासिल करने का जरिया नहीं थी बल्कि आम लोगों से जुड़ने और उनकी समस्याओं को हल करने का माध्यम थी। देश में सबसे लंबे समय तक लगातार शासन करने वालीं एकमात्र महिला मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने 1998 से 2013 तक तीन चुनाव जीते थे। उन्हें दिल्ली के सभी इलाकों में समान रूप से विकास करने और वर्ल्ड क्लास कैपिटल के तौर पर विकसित करने के लिए याद किया जाएगा। सन 1984 से 2019 तक, कांग्रेस ने बहुत उतार- चढ़ाव देखे, कई दिग्गजों ने पार्टी से मुंह मोड़ लिया, लेकिन शीला ने सियासी सफर का आगाज जिस कांग्रेस के साथ किया, जिंदगी के सफर का अंत भी उसी कांग्रेस के साथ। शीला दीक्षित का नाता दिल्ली से ताउम्र नहीं टूटा। दिल्ली में सियासी सफर का आगाज उन्होंने जिस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद से किया था, उसी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर रहते हुए दिल्ली के ही अस्पताल में शीला दीक्षित ने अंतिम सांस ली। शीला दीक्षित का जाना हर किसी को खल रहा है। वे थीं हीं चमत्कारिक व्यक्तित्व वालीं।

कुलभूषण जाधवः डगर अब भी कठिन

'सत्यमेव जयते'। अर्थात सत्य की हमेशा जीत होती है। यह कथन पूरी मानवता से जुड़ा है। इसलिए इसे किसी भी सीमा में कैद नहीं किया जा सकता है। कुलभूषण जाधव के मामले पर भी यही बात लागू होती है। संयु त राष्ट्र की प्रमुख न्यायिक संस्था अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में आखिकार पाकिस्तान को मुंह को खानी पड़ी और उसका झूठ बेनकाब हो गया। इस फैसले में पाकिस्तान से जाधव की मौत की सजा पर प्रभावी रूप से पुनर्विचार करने के लिए कहा गया है। साथ ही पाकिस्तान से भारत को 'काउंसलर एक्सेस' देने के लिए भी कहा गया है। एक तरह से यह 18 मई 2018 को अंतरराष्ट्रीय पंचाट द्वारा दिए गए अपने फैसले का विस्तार है। इसमें उसने कुलभूषण जाधव की फांसी पर अपना अंतिम निर्णय आने तक अस्थाई रोक लगा दी थी। जाधव मामले पर भारत को मिली कूटनीतिक सफलता केंद्र सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी राहत भरी खबर है। हेग स्थित पीस पैलेस में न सिर्फ भारतीय दलीलों को माना गया बल्कि उसका पक्ष ज्यादा मजबूती से उभरकर समाने आया। 151 से आया निर्णय इसकी दलील है। ज्ञात हो कि विपक्ष में आया एकमात्र मत पाकिस्तान का ही था जबकि इस मुद्दे पर पाकिस्तान के भरोसेमंद दोस्त चीन ने भी उसका साथ नहीं दिया। इस मामले में मोदी सरकार के कूटनीतिक प्रयासों की भी सरहाना करनी होगी जिसने अव्वल तो इस मामले में भारत की पारंपरिक छवि के बर स जोखिम उठाया और पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख न्यायालय की दहलीज तक खींच ले गए। फिर इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस को मामले की गंभीरता स्वीकारने, उसकी त्वरित सुनवाई करने और उसके बाद यह मनवाने में सफलता अर्जित की कि किस तरह पाकिस्तान ने उसकी जाधव को राजनयिक मदद देने की 16 दर वास्तों को अनसुना कर दिया। आईसीजे में मिली इस अभूतपूर्व सफलता से हमारे हौसले बुलंद हैं लेकिन हमें इससे अति-उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव अभी भी पाकिस्तान की कैद में हैं और इस फैसले से भी उनकी रिहाई सुनिश्चित नहीं होती है। दरअसल यह बड़ी नाजुक घड़ी है और हमारे पास इसका जश्न मनाने का वक्त नहीं है। आगे चुनौतियां और बड़ी हैं क्योंकि इतिहास के पन्नों में कई ऐसी घटनाएं दर्ज हैं जो जाधव की सुरक्षित वतन वापसी को लेकर हमारी आशंकाएं बढ़ाती हैं। पहला मामला ज्यादा पुराने अतीत का नहीं बल्कि सरबजीत सिंह का है। इस मामले पर हम पाकिस्तान की हीला हवेली अच्छी तरह देख चुके हैं। इसलिए भारत का पूरा जोर इस बात पर होना चाहिए कि किस तरह कुलभूषण जाधव की सुरक्षित व सम्मानित तरीके से घर वापसी संभव हो सके। इसके लिए भारत

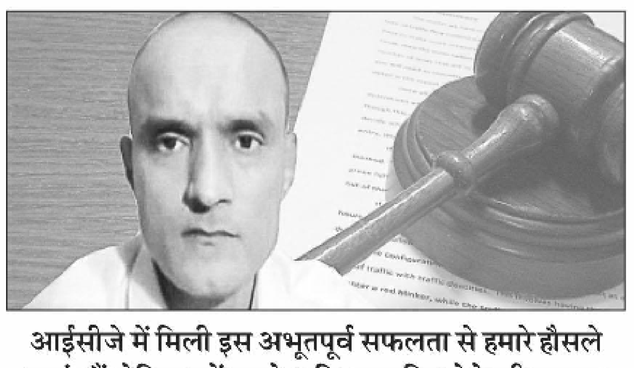

आईसीजे में मिली इस अभूतपूर्व सफलता से हमारे हौसले बुलंद हैं लेकिन हमें इससे अति-उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव अभी भी पाकिस्तान की कैद में हैं और इस फैसले से भी उनकी रिहाई सुनिश्चित नहीं होती है। पाकिस्तान कई बार हमारी पीठ में छुरा घोंप चुका है। लिहाला, हमें सतर्क रहना होगा।

सरकार को बहुत संभल-संभल कर और चतुराई से आगे के कदम उठाने होंगे। भारत सरकार के समक्ष दूसरा अहम लक्ष्य पाकिस्तान पर इस बात को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दबाव बनवाना है कि उसे अंतरराष्ट्रीय पंचाट के फैसले को मानने के लिए बाध्य होना पड़े। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने अपनी हफ्तावार प्रेस वार्ता में आईसीजे के इस फैसले को 'बाध्यकारी' बताया है लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या आईसीजे के पास अपने फैसले के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक शक्तियां हैं? शायद नहीं। इसकी नजीर हम पहले अमेरिका और फिर दक्षिण चीन सागर मामले पर चीन द्वारा किए उसके फैसलों के उल्लंघन के रूप में देख चुके हैं। या पाकिस्तान भी आईसीजे के फैसले का उल्लंघन की जुर्रत कर सकता है? फिलहाल इस बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगी लेकिन जिस तरह से उसने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के इस फैसले की अपने मन-मुताबिक व्याख्या कर उसे अपने पक्ष में बता रहा है, उससे उसके नापाक मंसूबों का आभास होता है। उसकी दलील है कि अंतरराष्ट्रीय पंचाट ने जाधव की रिहाई का आदेश नहीं दिया है। इससे लगता है कि धूर्त पाक इस फैसले पर ज्यादा अमल करने वाला नहीं है। असल में इस मामले पर उसकी नीयत में शुरू से ही खोट रही है। अव्वल तो उसने तीन मार्च 2016 को जाधव को गिरफ्तार करने के बाद भारतीय उच्चायोग को तीन हफ्ते बाद इससे सूचित किया। जबकि जाधव के भारतीय नागरिक होने के नाते तकाजा यह था कि इससे भारतीय उच्चायोग को फौरन बाखबर किया जाता। फिर उसने जाधव को काउंसलर एक्सेस अर्थात राजनयिक संपर्क देने की भारत की अपील को 16 बार ठुकराया। यही नहीं पाकिस्तान ने जाधव पर सैन्य अदालत की बजाए सिविल कोर्ट में सामान्य कानून के तहत मुकदमा चलाने के विकल्प पर भी कान नहीं धरा। इन घटनाक्रमों से लगता है कि पाकिस्तान अपनी मक्कारी से बाज नहीं आएगा। ऐसे में इस फैसले की अनदेखी करने की सूरत में मामला संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद तक मामला पहुंच सकता है। परिषद के पांच स्थाई सदस्यों में शामिल चीन यहां भारत के लिए संकट पैदा कर सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में पाकिस्तान की छवि पहले से ही आतंकवाद के पालनहार और उसके निर्यातक देश की रही है। विदेश नीतियां वैसे भी भू-राजनीतिक और आर्थिक पैमाने पर तय की जाती हैं।

ऐसे में जिस तरह भारत ने मसूद अजहर को आतंकी घोषित करने के मामले में चीन की रजामंदी हासिल की, उससे उसके वीटो करने की संभावनाएं कम हैं। इस मामले में फिलहाल भारत की स्थिति भी बहुत मजबूत है जबकि मौजूदा परिस्थितियों में पाकिस्तान का वैश्विक प्रभाव नगण्य होता जा रहा है। ऐसे में अगर पाकिस्तान कुलभूषण जाधव को फांसी देने जैसा कदम उठाता है, तो वह विश्व समुदाय से बिल्कुल अलग-थलग हो जाएगा और इसके नतीजों का अहसास स्वयं

पाकिस्तानी सरकार को भलीभांति होगा। इससे एक बात तो तय मानी जा रही है कि जाधव की जिंदगी को फिलहाल कोई खतरा नहीं है लेकिन पाकिस्तान की जेल में उन्हें कैसी प्रताड़नाएं सहनी पड़ रही होंगी, सरबजीत को याद कर मन सिहर जाता है। जाहिर है अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दबाव और डर से पाकिस्तान उन्हें फांसी की सजा तो नहीं देगा लेकिन उनके लिए भी सरबजीत की तरह ही झूठे हरबे इस्तेमाल करता रहेगा। ऐसे में हमें जाधव की सकुशल और सुरक्षित रिहाई के लिए उससे अधिक प्रयास करने होंगे जितने हमने आईसीजे में जीत के लिए किए गए हैं। कानूनी और कूटनीतिक जीत के बाद मुख्य सवाल यह भी है कि या पाकिस्तान यहीं रुक जाएगा या इसको पुनः सुरक्षा परिषद् में ले जाने की कोशिश करेगा, जहां पर उसे चीन की मदद मिलने की उम्मीद होगी। लेकिन, इस निर्णय में चीन ने भी भारत का पूरा साथ दिया है, इसलिए वह अपनी ही दलील को पुनः झुठला नहीं सकता। बेहतर यही है कि पाक अपनी दलीलें पेश करना छोड़े और कुलभूषण को सही-सलामत भारत को सौंप दे। पाकिस्तान के लिए बेहतर होगा कि वह जाधव को रिहाई देकर संबंधों को और तल्ख होने से बचा ले।

अयोध्या विवाद फिर जगी आस

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में राजनीतिक रूप से संवेदनशील राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद में रोजाना सुनवाई होगी या फिर बातचीत का रास्ता खुला रहेगा, इसका फैसला दो अगस्त को होगा। कोर्ट ने मध्यस्थता कमेटी से 31 जुलाई तक फाइनल रिपोर्ट जमा करने को कहा है। इसके बाद वह रोजाना सुनवाई पर फैसला करेगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे जस्टिस एफएम आई कलीफुल्ला के नेतृत्व वाले तीन सदस्यीय पैनल की रिपोर्ट मिली है। कोर्ट रिपोर्ट को देख रहा है। पैनल को 31 जुलाई तक बातचीत जारी रखने को भी कहा। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने 11 जुलाई को मुद्दे पर रिपोर्ट मांगी थी और कहा था कि अगर अदालत मध्यस्थता कार्यवाही पूरी करने का फैसला करती है तो 25 जुलाई से रोजाना आधार पर सुनवाई शुरू हो सकती है। पीठ में जस्टिस एस एस बोबडे, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एसए नजीर भी शामिल हैं। पीठ ने मूल वादियों में शामिल गोपाल सिंह विशारद के कानूनी उत्ताधिकारी द्वारा दाखिल आवेदन पर आदेश जारी किया। कोर्ट के इस फैसले के बाद विवाद के पटाक्षेप जल्द होने की उम्मीद फिर से जग गई है। हालांकि, कोर्ट का फैसला जब आएगा तब आएगा, मगर अभी कोर्ट ने बातचीत के जरिए विवाद के हल की जो पहल की थी, उसे सभी पक्षों को गंभीरता से लेना चाहिए था। अब तक की जो प्रगति रिपोर्ट आई है, उसमें कोई

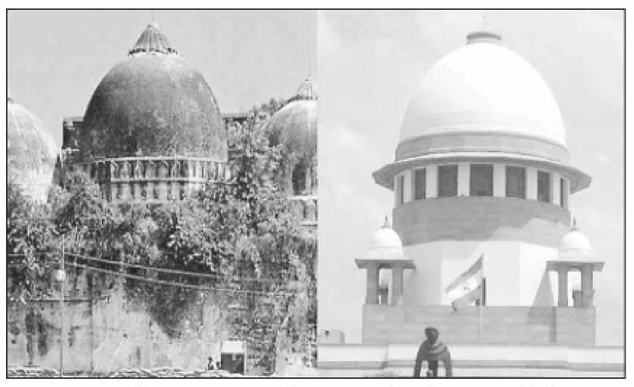

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद में रोजाना सुनवाई होगी या फिर बातचीत का रास्ता खुला रहेगा, इसका फैसला दो अगस्त को होगा। हालांकि, बातचीत से मसले का हल होता तो दोनों पक्षों के बीच सद्भावना का संचार होता। मगर फिलहाल तो ऐसा नहीं हुआ।

भी पक्ष वार्ता के जरिए इस मुद्दे को हल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखा है। अब 31 जुलाई तक का समय है, शायद कोई चमत्कार हो जाए और विवाद किसी नतीजे पर पहुंच जाए, तो कहा नहीं जा सकता। बहरहाल, यह किसी से छिपा नहीं है कि पहले तो सुप्रीम कोर्ट ने ही इस मामले को अपनी प्राथमिकता से बाहर रखा, फिर जब जल्द निपटारे की याचिका पेश की गई तो कुछ अड़ंगेबाज आगे आ गए। उनकी ओर से ऐसी दलीलें दी गईं कि इस मामले की सुनवाई चुनाव तक टाल देनी चाहिए। ऐसी दलील देने वालों ने सुप्रीम कोर्ट को उलझाने की भी कोशिश की। यह सही है कि कोर्ट सुनवाई के दौरान मसले को जमीन के मालिकाना हक के विवाद के तौर पर देखेगा, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि वह मूलतः इसी मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की ओर से दिए गए फैसले पर विचार करेगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विवादित जमीन को तीन हिस्सों में बांटने का जो फैसला दिया था, उसका एक आधार अयोध्या ढांचे से मिले पुरातात्विक साक्ष्य थे। अदालतें आस्था के आधार पर फैसले नहीं दे सकतीं, लेकिन वे पुरातात्विक साक्ष्यों पर तो विचार कर ही सकती हैं। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के आकांक्षी इसीलिए अपना पक्ष मजबूत मान रहे हैं, योंकि विवादित स्थल पर मंदिर होने के ऐतिहासिक और पुरातात्विक प्रमाण हैं। बावजूद इस सबके यह नहीं कहा जा सकता कि सुप्रीम कोर्ट अब आगे चलकर किस निष्कर्ष पर पहुंचेगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN01927, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.

न्यूज

बिजली गिरने से तीन की मौत, नौ बकरियां भी मरीं

हमीरपुर,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के कुरारा क्षेत्र में रविवार शाम अचानक बारिश के दौरान बिजली गिरने से तीन एक दिव्यांग समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बचरौली गांव निवासी 45 वर्षीय भगवानदीन कोरी अपनी पुत्री के साथ पशुओ को चरा रहा था। उसी दौरान अचानक बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। इसी प्रकार खरौंज निवासी दिव्यांग राम आसरे (60) खेत में परिवारजनों के साथ काम कर रहा था तभी अचानक बिजली गिरी और उसकी चपेट में आने उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बिलौटा गांव निवासी चुन्नू पाल (60) खेत में बकरियां चरा रहा था। उसी समय बिजली गिरने से उसकी और बकरियों की मौत हो गई।

बहराइच में जुड़वां मामूस तालाब में गिरे, एक की मौत

बहराइच,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के खैरीघाट क्षेत्र में रविवार को जुड़वा भाई घर के सामने खलते समय फिसलकर तालाब में जा गिर गए , इस घटना में एक बच्चे की मौत हो गई जबकि दूसरे को बचा लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार खैरीघाट इलाके में शवपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत बरुही टेपरी के मजरा चिरीमारनपुरवा निवासी रंगीलाल के दो जुड़वा बेटे थे सात वर्षीय मनोज और वीरेंद्र घर के सामने तालाब के सामने बच्चों के साथ खेल रहे थे। खेलते-खेलते दोनों भाई तालाब के करीब पहुंच गए और पैर फिसलने से गहरे पानी में डूबने लगे। आसपास मौजूद बच्चों ने उन्हें डूबता शोर मचाना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि शोर सुनकर परिवार और गांव के लोग दौड़ पड़े।

बलात्कार का आरोपी फरार चार पुलिसकर्मी निलंबित

जम्मू , (एजेंसी)। जम्मू के एक अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचा बलात्कार का आरोपी पुलिसवालों को गच्चा देकर हिरासत से भाग निकला। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उसे अस्पताल लाने वाले चार पुलिसकर्मियों को लापरवाही बरतने के लिए मुअत्तल कर दिया गया और उनके खिलाफ विभागीय जांच बैठा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि कारगिल के द्रास इलाके के चाक्यास गांव निवासी सज्जाद अहमद को रियासी जेल से इलाज के लिए श्री महाराजा गुलाब सिंह अस्पताल लाया गया लेकिन वह अपने साथ आये पुलिसवालों की आंखों में धूल झोंक कर फरार हो गया। अहमद पर रियासी जिले के महोर थाने में बलात्कार के सिलसिले में मामला दर्ज था ।

अपराध शाखा ने पूर्व पीडीपी नेता नईम से की पूछताछ

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू कश्मीर अपराध शाखा ने जम्मू कश्मीर परियोजना निर्माण निगम (जेकेपीसीसी) के लिए ठेकों के आवंटन में लोक निर्माण मंत्री के कार्यकाल के दौरान कथित अनियमितताओं को लेकर पीडीपी नेता नईम अख्तर से पूछताछ की। बहरहाल, पूर्व मंत्री ने कोई गलत काम करने से इनकार किया और कहा कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ सहयोग किया। अख्तर ने यहां पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे भरोसा है कि सच की जीत होगी। सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि अख्तर से जेकेपीसीसी के कामों को कुछ खास ठेकेदारों को देने तथा तय प्रक्रियाओं का पालन किए बगैर कुछ नियुक्तियां करने के बारे में उनके आवास पर पूछताछ की गई।

ट्रक और बाइक की टक्कर में दो सगे भाइयों की मौत

रांची,(एजेंसी)। झारखंड के रांची जिले में नगड़ी थाना क्षेत्र के सपोरम के निकट राष्ट्रीय रामार्ग (एनएच) संख्या 23 पर रविवार ट्रक और मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि दोनों भाई मोटरसाइकिल से नगड़ी की ओर जा रहे थे तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) भेज दिया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। मृतक की पहचान चतरा जिला निवासी नंदकिशोर पाठक (75) और त्रिवेणी पाठक (45) के रूप में की गई है।

लोजपा सांसद रामचंद्र पासवान का निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के छोटे भाई रामचंद्र पासवान का रविवार को यहां निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी सुनैना कुमारी, दो पुत्र, एक पुत्री है। उन्होंने आरएमएल अस्पताल में दोपहर एक बजकर 24 मिनट पर अंतिम सांस ली। कई दिनों से उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी। उन्होंने गत 11 जुलाई की रात सीने में दर्द की शिकायत की थी। उसके बाद उन्हें आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। श्री पासवान हालिया सम्पन्न आम चुनाव में बिहार के समस्तीपुर से लोजपा के सांसद निर्वाचित हुए थे। वह पहली बार 1999 में रोसरा से सांसद बने थे, उसके बाद 2004 में भी वह उसी सीट से विजयी रहे थे। 2014 और 2019 में वह समस्तीपुर से सांसद निर्वाचित हुए।

युवक के गुप्तांग पर पेट्रोल डाला, महिला को निर्वस्त्र कर पीटा

बिहार: भीड़ ने चार दिनों में चार को मार डाला

पटना ,(एजेंसी)। बिहार में बीते कुछ दिनों से भीड़ द्वारा कानून हाथ में लेकर खुद ही इंसाफ करने की प्रवृत्ति जोर पकड़ती दिखी है। बीते चार दिनों में ऐसी कई घटनाओं ने कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

छपरा में मवेशी चोरी के आरोप में तीन कथित चोरों की हत्या के बाद वैशाली में भी ऐसी दो घटनाएं सामने आईं। वहां बैंक लूट के आरोप में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। साथ ही मंदिर में चोरी के आरोप में एक महिला को निर्वस्त्र कर पीटा गया। ऐसी घटनाओं की ताजा कड़ी हैं रविवार को पटना में एक युवक की हत्या

के बाद आरोपित के घर पर भीड़ का हमला तथा इसके एक दिन पहले शनिवार को भभुआ में चोरी के आरोप में युवक की पिटाई। दरिंदों ने उसे न केवल पीटा, बल्कि गुप्तांग पर पेट्रोल डाल यातना भी दी।

हत्या के आरोपित के घर पर भीड़ का हमला रविवार की सुबह पटना के राजीव नगर में थाने से 300 मीटर की दूरी पर एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक विशाल (20) ऑटो चलाता था। मृतक के चाचा विनोद कुमार ने हत्या का आरोप जिला पार्षद रेणु देवी के पति व उनके दो बेटों समेत 11 नामजद व दो अज्ञात लोगों पर लगाया है। हत्या के बाद आक्रोशित लोगों ने जिला पार्षद के घर पर हमला कर दिया।

तंत्र-मंत्र में चार लोगों की पीट-पीटकर हत्या

गुमला, (एजेंसी)। झारखंड के गुमला जिले में अज्ञात हमलावरों ने दंपति समेत 4 लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि शनिवार रात को करीब 12 नकाबपोश लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे और चारों को चौराहे पर लाकर जमकर पीटा। डर से किसी भी ग्रामीण ने उनका विरोध नहीं किया। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि सभी मृतक सिसई के पिसकारी गांव के हैं और अपने घरों में तंत्र-मंत्र करते थे।

मुंबई में ताज होटल के पास लगी आग, एक की मौत

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई में प्रतिष्ठित ताज महल पैलेस होटल के पीछे स्थित एक चार मंजिला आवासीय इमारत में रविवार को दोपहर 12.17 बजे आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति 54 वर्षीय श्याम अय्यर की मौत हो गई जबकि एक दमकलकर्मी सहित दो झुलस गए।

बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर लेवल-2 में आग से कई फंसे

सूत्रों ने बताया कि चर्चिल चैंबर इमारत से कुछ वरिष्ठ नागरिकों सहित 14 व्यक्तियों को बचाया गया। वहां आग दोपहर में लगी थी।

मृतक की पहचान श्याम अय्यर (54) एक अन्य निवासी यूसुफ पूनावाला (50) को एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है जबकि झुलसे दमकलकर्मी बर्मल पाटिल (29) को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

सोनभद्र की घटना पर मुख्यमंत्री योगी ने पीड़ितों से मुलाकात के बाद कहा

कांग्रेस, सपा नेता जिम्मेदार कार्रवाई के लिए रहें तैयार

सोनभद्र (उप्र) ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोनभद्र हत्याकांड के लिए कांग्रेस और सपा के नेताओं को रविवार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उन्हें इसकी सजा के लिये तैयार रहना चाहिए।

योगी ने सोनभद्र के उम्भा गांव में बुधवार को जमीन पर कब्जे को लेकर हुई गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिजन से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रियंका पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा कि उनकी सरकार इस वारदात की तह में जाएगी और घड़ियाली आंसू बहाने वालों का पर्दाफाश करेगी। उन्होंने सपा को भी घेरे में लेते हुए कहा, यह बात सामने आई है कि इस मामले की तह में कांग्रेस के नेताओं का पाप है। जिन लोगों ने यह पाप किया, उनकी सपा के साथ आर्थिक साझेदारी रही है। उन लोगों के खिलाफ सरकार ने सख्त कार्रवाई भी की है। योगी ने एक सवाल पर कहा कि कांग्रेस और सपा के नेता इस पाप के लिये जिम्मेदार हैं और इसकी सजा के लिये उन्हें तैयार भी रहना चाहिये। मालूम हो कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने करीब 30 घंटे तक मिर्जापुर के चुनार गेस्ट हाउस में हिरासत में रहने के दौरान शनिवार को सोनभद्र हत्याकांड के पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी।

गत बुधवार को सामूहिक हत्याकांड में 10 लोगों के मारे जाने की घटना के बाद पहली बार सोनभद्र पहुंचे योगी ने कहा कि आजादी के बाद वर्ष 1955 में कांग्रेस की सरकार ने सोनभद्र में पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के नाम पर जनजाति के लोगों की भूमि को एक पब्लिक ट्रस्ट के नाम कर दिया।

क्या कहा सीएम योगी ने...

- राजनीतिक साजिश की देन है उम्भा की घटना।
- कांग्रेस इस घटना पर घड़ियाली आंसू बहा रही है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए पीड़ितों से, क्योंकि उन्हीं की देर है इतनी बड़ी घटना।
- मूर्तिया का प्रधान यज्ञ दत्त सपा का कार्यकर्ता, उसका भाई बसपा का।
- उम्भा में हुए नरसंहार में मृतकों के परिजनों व घायलों से मिलने, उनका दुख दर्द जानने, संवेदना व्यक्त करने का अवसर मिला।
- सरकार की और हमारी पूरी संवेदना पीड़ित आदिवासियों के परिवार के साथ हैं।
- आदिवासियों, वनवासियों की सुरक्षा, उनका अधिकार दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता।
- घटना में मारे गए आदिवासियों के परिजनों को 18.5 लाख रुपए प्रति परिवार, घायलों को 2.5 लाख रुपए मिलेगी आर्थिक मदद।
- घोरावल के आगे उम्भा के समीप एक पुलिस चौकी खोली जाएगी।
- आग लगने की घटनाओं से निपटने के लिए घोरावल में एक अग्निशमन केंद्र भी खुलेगा।
- राशनकार्ड, शौचालय व अन्य सुविधा देगें।

सोनभद्र दौरे पर प्रियंका का तंज देर 'आयद दुरस्त आयद'

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाल में सामूहिक हत्याकांड के गवाह बने सोनभद्र के दौरे पर तंज करते हुए इसे देर आयद दुरुस्त आयद करार दिया। प्रियंका ने सोनभद्र में बुधवार को हुए गोलीकांड में 10 लोगों की मौत के बाद पीड़ित परिवार से मुलाकात करने गए मुख्यमंत्री पर तंज करते हुए एक ट्वीट में कहा उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के सोनभद्र जाने का मैं स्वागत करती हूं। देर से ही सही, पीड़ितों के साथ खड़ा होना सरकार का फर्ज है। अपना फर्ज पहचानना अच्छी बात है। उन्होंने कहा उम्भा को लम्बे समय से न्याय की प्रतीक्षा है। अपेक्षा है कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा और उनकी पांच मांगों को माना जाएगा। कांग्रेस महासचिव ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि उम्भा गांव के पीड़ितों की आवाज का जब कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं, न्यायपसंद लोगों ने साथ दिया तब उत्तर प्रदेश सरकार को भी लगा कि कोई गम्भीर घटना घटी है। उन्होंने कहा कि रविवार जो घोषणाएं की गयी हैं, उन पर जल्द अमल हो।

खेत में चला रहा था हल, मिल गया हीरा, बदली किस्मत

कुरनुल (आंध्र प्रदेश), (एजेंसी)। अक्सर कहा जाता है कि किस्मत कभी भी बदल सकती है। कब क्या हो जाए कुछ पता नहीं होता। इस बार के मानसून ने एक किसान की किस्मत ऐसे ही बदल दी, रातोंरात किसान आम आदमी से लखपति बन गया। जिस खेत में जुताई बुवाई करके अब तक वो अपना और परिवार का पेट भर रहा था, उसी खेत ने उसे एक साथ ही लखपति बना दिया। ये घटना आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई।

रातों-रात लखपति बना किसान

यहां एक किसान अपने खेत की बदौलत रातोंरात लखपति बन गया। ऐसे मिला हीरा हुआ कुछ यूं कि किसान अपने खेत में जुताई कर रहा था, इसी दौरान उसे जमीन पर कुछ चमकने वाली चीज दिखाई दी। किसान ने उसे उठा लिया और कपड़े से रगड़कर देखा तो उसे वो हीरे जैसी लगी। उसके बाद उसने उसे अपने पास रख लिया, अगले दिन इलाके में एक सुनार के पास लेकर पहुंचा, सुनार ने उस चमकीली चीज को देखा और उसे हीरा बताया। किसान ने सुनार को इस हीरे की बाजार की कीमत बताई। किसान ने सुनार से कहा कि वो उसे बेचना चाहता है तो सुनार उसे कितने रुपये दे देगा, दोनों के बीच मोलभाव हुआ।

अंत में किसान ने इस हीरे को एक स्थानीय व्यापारी को बेच दिया और उससे 13.50 लाख रुपये नगद और 5 तोला सोना लेकर चला आया। अचानक से किसान के जीवन में आए बदलाव और उसके रहन सहन में हुई बढ़ोतरी को देखकर बाकी लोग हैरान रह गए। ये खबर पूरे इलाके में फैल गई। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को भी दे दी। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक कुरनूल जिले के गोलावनेपल्ली निवासी एक किसान खेत में जुताई कर रहा था, उसी को अपने खेत में यह हीरा मिला। हालांकि हीरे के साइज, रंग और वजन के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

राम मंदिर निर्माण अगले साल होगा शुरू : वेदांती

मुरादाबाद ,(एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष राम विलास वेदांती ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण अगले साल हर हाल में शुरू हो जाएगा। विवादित राम जन्मभूमि मामले के मुख्य पक्षकार डॉ. वेंदाती ने रविवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में विश्वास जताया कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होगा। उन्होने कहा कि मंदिर निर्माण की शुरूआत अगले साल होगी, तब तक उच्चतम न्यायालय का फैसला भी आ जाएगा, और राज्यसभा में भाजपा का बहुमत भी होगा।

कारगिल युद्ध के 20 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम

रक्षामंत्री: सैनिकों के सम्मान को ठेस नहीं पहुंचने दूंगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कारगिल युद्ध के नायकों की तारीफ करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे कि सैनिकों के गौरव और सम्मान को किसी भी तरह की ठेस न पहुंचे। ऑपरेशन विजय के 20 वर्ष होने के उपलक्ष्य में रविवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में युद्ध में भाग ले चुके सैनिकों, कारगिल युद्ध के शहीदों की विधवाओं तथा अन्य को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, शहीदों के सम्मान में हम जो कुछ भी कर सकते हैं, वह कम है।

हम उनका सम्मान करते हैं और यहां मौजूद युद्ध विधवाओं को नमन करते हैं। हम अपने सैनिकों पर गर्व महसूस करते हैं। इस मौके पर उन्होंने युद्ध में शहीद जवानों की विधवाओं को सम्मानित भी किया। उन्होंने शनिवार के अपने द्रास दौरे के अनुभव भी साझा किए, जहां

शहीदों के सम्मान में हम जो कुछ भी कर सकते है, करेंगे: राजनाथ सिंह

उन्होंने वीरगति को प्राप्त सैनिकों के सम्मान में कारगिल युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच रक्षा मंत्री ने कहा, मैं अपनी तरफ से सिर्फ यह कह सकता हूं कि जवानों के सम्मान, स्वाभिमान तथा प्रतिष्ठा की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ करूंगा और हरसंभव कदम उठाऊंगा। उन्होंने कहा कि लोग कोई अन्य समझौता कर सकते हैं, लेकिन अपने स्वाभिमान और सम्मान के साथ समझौता नहीं कर सकते। स्वाभिमान व्यक्तिगत, सामाजिक या राष्ट्रीय हो सकता है। यही कारण है कि आजादी के आंदोलन में 18 से 20 वर्ष के किशोर-युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया था।

मां का गला काटकर पड़ोसी के घर के सामने रखा सिर

कोर्ट ने आरोपी बेटी को भेजा अस्पताल

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि बेटी ने अपनी ही मां की खौफनाक तरीके से हत्या कर दी। आरोपी बेटी ने धारदार हथियार पहले मां का सिर काटा और फिर उसे पड़ोसी के घर के बाहर रख दिया था। पुलिस ने बताया है कि 57 वर्षीय महिला का शव शनिवार रात को उसके घर के अंदर से बरामद किया गया।

महिला का धड़ शनिवार देर रात घर के अंदर से बरामद किया गया

सिडनी पुलिस ने इसे अभी तक का सबसे खौफनाक क्राइम सीन करार दिया है। पुलिस ने महिला की 25 वर्षीय बेटी को कथित तौर पर अपनी मां की बेरहमी से हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है दी टेलीग्राफ की खबर के मुताबिक पुलिस ने महिला की मौत के मामले में उसकी बेटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला पर आरोप है कि उसने कथित तौर पर अपनी मां की हत्या की और हत्या के बाद सिर को पड़ोसी के घर के बाहर रख दिया। आरोपी महिला की रविवार को वीडियो के जरिए कोर्ट में पेशी हुई। आरोपी महिला ने कोर्ट से कहा है कि उसे मेडिकल इलाज की जरूरत है। कोर्ट के आदेश पर आरोपी महिला को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल में भेज दिया गया है। एबीसी के मुताबिक आरोपी महिला ने बेल के लिए कोर्ट में आवेदन नहीं किया है। 4 वर्षीय रिश्तेदार इस घटना का चश्मदीद है। जिसने घटना को अंजाम होते देखा है। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट ब्रेट मैकफैडेन ने कहा है कि इस घटना से जुड़े संबंधित अधिकारियों को पेशेवर सहायता की पेशकश भी की गई थी।

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया 2020 में फिर विजयी होंगे

वाशिंगटन पोस्ट की स्टोरी राष्ट्रपति का उत्पीड़न है

वाशिंगटन, (एजेंसी)। उत्तर कैरोलिना में आयोजित रैली में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वह 2020 में एक बार फिर विजयी होंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तरी कैरोलिना रैली के बारे में एक कहानी प्रकाशित करने के लिए **द वाशिंगटन पोस्ट** पर हमला किया। इसमें उन्होंने कहा कि इसमें फोनी स्रोत शामिल हैं। ट्रंप ने रविवार सुबह ट्वीट करते हुए लिखा कि उत्तरी कैरोलिना में मेरे भाषण और ट्वीट के बारे में द वाशिंगटन ने मेरी स्टोरी पोस्ट की है, जो फोनी स्रोत पर आधारित है, फेक न्यूज है। सोमाली-अमेरिकी कांग्रेस के अध्यक्ष इल्हान उमर के संदर्भ में भीड़ ने कहा, सेंड हर बैक! उन्होंने कहा कि केवल एक चीज जिसकी लोग बात कर रहे हैं, वह है रिकॉर्ड तोड़ भीड़ और जबरदस्त उत्साह, जो डेमोक्रेट्स से कहीं अधिक थी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि हम 2020 में फिर वापस आएंगे। उन्होंने दावा किया कि वाशिंगटन पोस्ट की स्टोरी राष्ट्रपति का उत्पीड़न है।

करंट लगने से पति और पत्नी की मौत

मोतिहारी, (एजेंसी)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में पचपकड़ी थाना क्षेत्र के भंडार गांव में आज करंट लगने से पति-पत्नी की झुलसकर मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि इसी गांव के राजेश पासवान (35) तथा उसकी पत्नी (30) भंडार चौक पर खरीददारी करने गए थे तभी खंभे से 11 हजार वोल्ट के बिजली की तार टूट कर गिर गई। करंट से झुलसकर दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है।

जापान उच्च सदन चुनाव सत्ताधारी गठबंधन को मिला बहुमत

टोक्यो,(एजेंसी)। जापान की संसद के उच्च सदन के लिए रविवार को वोट डाले गए, जिसमें प्रधानमंत्री शिंजो आबे (64) के सत्ताधारी गठबंधन को बहुमत प्राप्त हुआ। एग्जिट पोल्स से संकेत मिल रहे हैं कि आबे संवैधानिक संशोधनों के लिए जरूरी बहुमत प्राप्त करने के करीब जा सकते हैं।

दो घंटे की मतगणना के बाद उच्च सदन में 64 सीटों पर जीत

एनएचके पब्लिक टेलीविजन ने कहा कि आबे की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और उसकी कनिष्ठ सहयोगी कोमितो को दो घंटे की मतगणना के बाद उच्च सदन में 64 सीटों पर जीत मिल चुकी है। अगर सत्ताधारी गठबंधन कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्यों और निर्दलीय सांसदों का समर्थन जुटाने में कामयाब रहा तो संवैधानिक पुनरीक्षण के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत प्राप्त हो सकता है। जापान की संसद के उच्च सदन की 124 सीटों के लिए मतदान हुआ है। उच्च सदन 'हाउस ऑफ काउंसिलर्स' में कुल 245 सीटें हैं, जिनमें से करीब आधे का चुनाव हर तीन साल पर किया जाता है। उच्च सदन प्रधानमंत्री का चुनाव नहीं करता। दो-तिहाई बहुमत यानी 164 सीटें प्राप्त करने के लिए आबे के गठबंधन को 85 अन्य सीटों की जरूरत होगी।

सबसे लंबे समय तक जापान के प्रधानमंत्री पद पर रहने का कीर्तिमान रचने की कगार पर पहुंच चुके आबे को अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता और इस साल के अंत में उपभोग कर में होने जा रहे इजाफे से पहले अपना जनादेश और भी मजबूत होने की उम्मीद है। ओपिनियन पोलों से भी संकेत मिले कि आबे की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके गठबंधन साझेदार कोमितो को बहुमत मिलने की संभावना है। माना जा रहा है कि लचर विपक्ष के कारण आबे के पक्ष में ऐसे नतीजे आने का अनुमान है।

अनुभव सबसे ज्यादा शिकायतें बेहोश होने की, अमेरिका की एक यूनिवर्सिटी का दावा, करें कसरत

धरती पर लौटने पर अंतरिक्ष यात्री हो जाते हैं बीमार

ह्यूस्टन,(एजेंसी)। स्पेस में लंबा वक्त बिताने वाले अंतरिक्ष यात्री धरती पर लौटने पर तरह-तरह की परेशानियों का सामना करते हैं। इसमें सबसे कॉमन हो बेहोश हो जाना।

अब अनुसंधानकर्ताओं ने इससे बचने का तरीका खोज निकालने का दावा किया है। अमेरिका की एक यूनिवर्सिटी का दावा है कि अगर अंतरिक्ष यात्री स्पेस में थोड़ी बहुत कसरत कहता रहेगा तो उसे धरती पर आने पर चक्कर या बेहोशी नहीं आएगी। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर के प्रफेसर बेंजमिन लिवाइन ने कहा, मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से ही सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि अंतरिक्ष यात्री धरती पर लौटने के बाद बेहोश हो जाते थे। गुरुत्वाकर्षण मुक्त वातावरण में जितना वक्त बिताया जाता है, खतरा भी उतना ही बढ़ जाता है। टेक्सस हेल्थ प्रेसबाइटेरियन हॉस्पिटल के इंस्टिट्यूट ऑफ एक्सरसाइज ऐंड इन्वाइरनमेंट मेडिसिन के निदेशक लेवाइन ने कहा, यह समस्या लंबे समय से अंतरिक्ष कार्यक्रमों की परेशानी बनी हुई है सामान्य लोग भी महसूस करते हैं। चक्कर आना या बेहोश होना रक्त के प्रवाह में बदलाव होने के कारण होता है जो ज्यादा समय तक बेड रेस्ट लेने, या कुछ निश्चित बीमारियों या फिर अंतरिक्ष यात्रियों के मामले में कम गुरुत्वाकर्षण वाले वातावरण में रहने के चलते होते हैं।

उड़ान के दौरान रोजाना दो घंटे दिया व्यायाम प्रशिक्षण

यह अध्ययन 12 अंतरिक्ष यात्रियों पर किया गया जो करीब छह महीने तक अंतरिक्ष में रहे। सभी ने उड़ान के दौरान रोजाना दो घंटे व्यायाम प्रशिक्षण किया ताकि नसों, हड्डियों या मांसपेशियों में किसी तरह की परेशानी न हो। उन्हें लैंडिंग के दौरान सलाइन भी दिया गया। साथ ही अंतरिक्ष में जाने से पहले, वहां रहने के दौरान और अंतरिक्ष से वापस आने के बाद 24 घंटे की अवधि में उनकी प्रत्येक धड़कन के साथ उनका रक्तचाप मापा गया। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि लैंडिंग के 24 घंटे के बाद किसी भी अंतरिक्ष यात्री को चक्कर आने या बेहोशी जैसा नहीं महसूस हुआ। यह अध्ययन 'सर्कुलेशन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

भसीन परिवार ने कृष्ण मुरारी मंदिर की शोभा बढ़ाई

श्री कृष्ण मुरारी मंदिर में बजरंग बली की मूर्ति स्थापना की। इस मूर्ति को दिल्ली से आए कारीगर श्री वर्मा ने एक साल में बनाया और इस शुभ अवसर पर भसीन परिवार से श्री मोहनी जी और भसीन परिवार और स्त्री सत्संग की मैंबर ने सुंदरकांड का पाठकिया। और इसमें मंदिर के पदाधिकारी श्री चमन लाल कौछड़ प्रधान, उमा महेश्वर सचिव, भारत भूषण नारंग, वी. एम. चड्ढा, नरिंदर शर्मा, सुभाष वर्मा, कश्मीरी लाल के इलावा स्त्री सभा के सदस्य हाजिर थे। मंदिर की तरफ से मूर्ति बनाने वाले को 51,000/- ईनाम के तौर पर दिए गए। भसीन परिवार ने लंगर की व्यवस्था की। मंदिर कमेटी ने भसीन परिवार का धन्यवाद किया।

झारखंड : चार आदिवासियों की पीट-पीट कर हत्या के मामले में 10 हिरासत में

■ गुमला/ब्यूरो

झारखंड के गुमला जिले में जादू टोने के शक में दो महिलाओं समेत चार आदिवासी बुजुर्गों की कथित रूप से पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में 10 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि शनिवार की रात को नगर-सिसकारी गांव में सुना ओरांव (65), चम्पा ओरांव (79), फगनी ओरेनी (60) और पीरो ओरेनी (74) को 10 लोगों ने पीट-पीट कर कथित तौर पर मार डाला।

पुलिस ने बताया कि गांव में घटना के बारे में कोई भी बात करने को राज़ी नहीं है। पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा ने बताया, रविवार से अब तक पूछताछ के लिए 10 ग्रामीणों को हिरासत में लिया गया

है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्थानीय लोग अक्सर मृतकों के यहां जाया करते थे जिनपर जादू-टोना करने का शक था। माना जाता था कि वे बीमारियां का इलाज कर सकते थे।

उन्होंने कहा कि पीड़ितों का कोई जमीन संबंधी विवाद नहीं था।

प्रज्ञा के 'शौचालय' संबंधी बयान पर एक्शन मोड में बीजेपी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को भोपाल से सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर की उनकी उस टिप्पणी के लिए 'खिंचाई' की जिसमें उन्होंने कहा था कि वह शौचालय साफ करने के लिये सांसद नहीं बनी हैं। इस बयान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत' अभियान के उपहास के तौर पर देखा गया। पार्टी सूत्रों ने कहा कि प्रज्ञा सिंह ठाकुर को भाजपा मुख्यालय तलब किया गया था जहां नड्डा ने उन्हें बताया कि पार्टी नेतृत्व मध्य प्रदेश के सीहोर में रविवार को उनके द्वारा दिये गए बयान से खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि ठाकुर की खिंचाई करते हुए उनसे पार्टी के कार्यक्रमों और विचारों के खिलाफ बयान देने से बचने को कहा गया है। पार्टी कार्यालय से निकलते वक्त भाजपा

मध्य प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए 2008 मालेगांव बम धमाका मामले की आरोपी ठाकुर ने कहा था कि एक सांसद का काम विधायकों, पार्षदों और जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करते हुए विकास सुनिश्चित करना होता है। ठाकुर बम धमाका मामले में फिलहाल जमानत पर हैं।

सांसद ने वहां मौजूद पत्रकारों से बात नहीं की। मध्य प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए 2008 मालेगांव बम धमाका मामले की आरोपी ठाकुर ने कहा था कि एक सांसद का काम विधायकों, पार्षदों और जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करते हुए विकास सुनिश्चित करना होता है। ठाकुर बम धमाका मामले में फिलहाल जमानत पर हैं। उन्होंने कहा, इसलिये इसे ध्यान में रखिये...हम यहां नालियों की सफाई के लिये नहीं हैं। यह साफ है? हम निश्चित रूप से (यहां) आपके शौचालय साफ करने के लिये नहीं हैं। हमें जो काम करना है और जिसके लिये हमें निर्वाचित किया गया है, हम उसे ईमानदारी से करेंगे। यह हमनें पूर्व में भी कहा है, आज भी कह रहे हैं और भविष्य में भी इस पर टिके रहेंगे। ठाकुर ने अपना पहला लोकसभा चुनाव भोपाल लोकसभा सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह को हराकर जीता था। यह टिप्पणी भाजपा के लिए शर्मिंदा करने वाली थी क्योंकि मोदी ने 'स्वच्छ भारत' कार्यक्रम को अपनी सरकार के एजेंडे का मुख्य बिंदू बनाया था। यह पहली बार नहीं है जब ठाकुर के बयानों से भाजपा के लिये मुश्किलें खड़ी हुई हैं। लोकसभा चुनावों के बीच प्रचार के दौरान उन्होंने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को एक 'देशभक्त' करार दिया था। टिप्पणी पर हंगामा मचने के बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी और मोदी को कहना पड़ा था कि वह माफी मांगने के बावजूद ठाकुर को कभी माफ नहीं कर पाएंगे। उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था।

विपक्ष ने सरकार पर RTI को कमजोर करने का लगाया आरोप, भाजपा ने कहा-विपक्ष पैदा कर रहा भ्रम

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने सरकार पर सूचना का अधिकार संशोधन विधेयक लाकर इस महत्वपूर्ण कानून को कमजोर करने का आरोप लगाया वहीं भाजपा ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विपक्ष जनता के बीच अनावश्यक भ्रम पैदा करना चाहता है और सरकार द्वारा लाये गये तकनीकी संशोधन से सूचना आयोग और मजबूत होगा। लोकसभा में सूचना का अधिकार (संशोधन) विधेयक, 2019 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कांग्रेस के शशि थरूर ने विधेयक को वापस लिये जाने और संसदीय स्थाई समिति को भेजने की मांग की। थरूर ने कहा कि सरकार इस विधेयक के माध्यम से एकपक्षीय तरीके से सूचना आयुक्तों के वेतन, भत्ते और कार्यावधि का फैसला कर सकेगी।

सरकार इसे छोटा संशोधन बता रही है लेकिन यह सूचना के अधिकार (आरटीआई) की रूपरेखा को कमजोर करने के लिए लाया गया है।उन्होंने कहा कि यह सरकार आरटीआई को 'बिना पंजे वाला शेर' बनाने के सतत प्रयासों के तहत इस संशोधन को लेकर आई है। थरूर ने कहा कि सरकार इस संशोधन के माध्यम से राज्यों में भी सूचना आयुक्तों की नियुक्तियों की नियम, शर्तें तय करेगी। थरूर ने आरोप लगाया, ''यह न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन नहीं बल्कि इसके विपरीत सर्वोच्च स्तर का राजनीतिक निराशावाद है।''इससे पहले विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश करते हुए कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि आरटीआई और उसकी स्वायत्तता को कमजोर करने की बातें निराधार हैं। उन्होंने कहा कि इस संशोधन के माध्यम से हम सूचना आयोगों के कामकाज को संस्थागत बनाएंगे और विसंगतियों को दूर करेंगे। चर्चा में भाग लेते हुए थरूर ने कहा कि विधेयक बिना किसी सार्वजनिक विमर्श के लिए लाया गया है।

उन्होंने कहा, ''सरकार मानती है कि संसद रबर स्टांप की तरह काम करेगी। जो विधेयक लाएंगे, पारित हो जाएगा।'' थरूर ने कहा कि सरकार को इस संशोधन विधेयक को वापस लेना चाहिए और समझ के लिए संसद की स्थाई समिति को भेजना चाहिए। सरकार को स्थाई समिति का भी तत्काल गठन करना चाहिए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस इतने खतरनाक विधेयक को स्वीकार नहीं करेगी।चर्चा में शामिल होते हुए भाजपा के जगदंबिका पाल ने कहा कि इस संशोधन के माध्यम से सरकार 2005 के मूल आरटीआई कानून की भावना में कोई बदलाव नहीं कर रही।उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य ऐसा भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारी सरकार आरटीआई को कमजोर करना चाहती है जबकि सरकार को इस तकनीकी संशोधन से केवल नियम बनाने का अधिकार मिलेगा। पाल ने कहा कि आज का संशोधन केवल ढांचागत मजबूती के लिए किया गया प्रशासनिक संशोधन है। बाकी सूचना के अधिकार कानून के तहत सारे प्रावधान पूरी तरह निहित हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आरटीआई विधेयक को और मजबूत किया है। अगर सरकार कानून को कमजोर करना चाहती तो पिछली लोकसभा में सदन में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति समिति में शामिल नहीं करती जबकि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिल सका था।

भाजपा सदस्य ने यह भी कहा कि मोदी सरकार के पिछले पांच साल के कार्यकाल में आरटीआई के माध्यम से कोई घोटाला उजागर नहीं हुआ जबकि संप्रग सरकार में राष्ट्रमंडल खेल घोटाला और 2जी स्पेक्ट्रम जैसे घोटाले आरटीआई के माध्यम से ही उजागर हुए थे। द्रमुक के ए राजा ने आरोप लगाया कि सरकार यह जताना चाहती है कि वह संख्याबल का इस्तेमाल लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए कर सकती है। उन्होंने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के वेतन की तुलना मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों के वेतन से किये जाने पर कहा कि चुनाव आयोग के बिना लोकतंत्र कुछ समय चल सकता है लेकिन आरटीआई हमें संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की आजादी के मूलभूत अधिकार के तहत मिला है। इसलिए तुलना नहीं की जा सकती।

महाराष्ट्र दूसरे धर्म के 2 लोगों को 'जय श्रीराम' बोलने को किया मजबूर, मामला दर्ज

■औरंगबाद/ब्यूरो

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में दो लोगों को कथित रूप से 'जय श्रीराम' का नारा लगाने को मजबूर किया गया जिसके बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण हो गयी है। पुलिस ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ दिनों में शहर में यह दूसरी ऐसी घटना है. इस संबंध में पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि खाना ऑर्डर करने वाले ऐप जोमैटो के लिए काम करने वाले शेख आमिर और उसका दोस्त शेख नासिर रविवार को आजाद चौक पर ऑटो का इंतजार कर रहे थे।

उसी वक्त चार-पांच लोग कार से आए और दोनों से झगड़ा शुरू कर दिया। उन्हें धार्मिक पहचान को लेकर गालियां दीं और 'जय श्रीराम' नहीं बोलने पर जान से मारने की

धमकी भी दी। अधिकारी ने बताया कि दोनों ने डर की वजह से 'जय श्रीराम' का नारा लगाया. बाद में कुछ राहगीरों को आते देख सभी कार सवार वहां से भाग खड़े हुए। आमिर और नासिर ने घटना की शिकायत पुलिस से की है। औरंगाबाद के पुलिस आयुक्त चिरंजीव प्रसाद ने कहा कि आरोपियों और उनके वाहन की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। उनके खिलाफ कड़ी कर्रवाई की जाएगी।

क्या कोहली को कप्तानी साबित करनी पड़ेगी ? नहीं दिया गया आराम

मिशन वर्ल्ड कप 2019 समाप्त हो गया और दुनिया को एक नया चैंपियन भी मिल गया वो भी बाउंड्री के आधार पर। वर्ल्ड कप की शुरुआत तो काफी शानदार थी लेकिन समापन मैच के बाद काफी विवाद हुआ वो भी आईसीसी के नियमों पर...खैर यह तो क्रिकेट है और खेल भावना इसमें सर्वोपरि होती है। तभी तो पहली बार विश्व विजेता बनने वाली इंग्लैंड टीम के कप्तान ने माना था कि मैच में दोनों टीमों ने भरपूर प्रयास किए और तो और क्रिकेट विश्व कप ने ट्वीट कर कहा था कि विजेता एक लेकिन चैंपियन दो...

इन्हीं तमाम विषयों की चर्चा हो ही रही थी कि वेस्ट इंडीज दौरे के लिए टीम इंडिया का चयन हो गया और सेलेक्टर्स ने कई सारे सवाल क्रिकेट प्रेमियों के ज़हन में छोड़ दिए। आपको याद हो तो विश्व कप अभियान जब जारी था तो 25 जून के दिन एक खबर सामने आई थी जिसमें कहा गया कि कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वेस्ट इंडीज दौरे पर नहीं भेजा जाएगा। वजह थी लगातार उनका मैच खेलना। इसलिए प्रबंधन चाहता था कि इन्हें आराम करने का मौका दिया जाए। रविवार को वेस्ट इंडीज दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया गया, जिसमें तीनों फॉर्मेटो यानी की टी 20, एकदिवसीय और टेस्ट की कप्तानी विराट कोहली को सौंपी गई। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर इतने दिनों में ऐसा क्या बदल गया कि विराट कोहली को आराम देने की बजाए टीम में शामिल किया गया। क्रिकेट एक्सपर्ट ने बताया कि भारत जब न्यूजीलैंड से सेमीफाइनल में हार गया और उनका विश्व कप अभियान थम गया तो विराट कोहली की कप्तानी पर सवाल खड़े होने लगे। इतना ही नहीं बल्कि यहां तक कहा गया कि अगर रोहित शर्मा को कप्तान बनाया जाता तो हम इस विश्व कप को जीत जाते। लेकिन क्या होता क्या नहीं होता इसके बारे में चर्चा करने से कहीं ज्यादा अच्छा टीम इंडिया के परफॉर्मेंस की होनी चाहिए।

– खेल डेस्क

धारा 377 के खिलाफ जिन SC वकीलों ने लड़ी थी लड़ाई, उन्होंने बताया- वो है 'लेस्बियन कपल'

नई दिल्ली/ब्यूरो

इस साल की शुरुआत में टाइम मैग्जीन ने दो भारतीय महिला वकीलों- मेनका गुरुस्वामी और अरुंधति काटजू को 2019 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया था। इन दोनों ने धारा 377 (Section 377) के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी थी। अब दोनों ने इस इस बात का खुलासा किया है ये दोनों कपल हैं। 18 जुलाई मेनका गुरुस्वामी और अरुंधति काटजू ने सीएनएन के फरीद जकारिया को दिए इंटरव्यू में अपने लेस्बियन होने के बारे में बताया।

इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि धारा 377 के खिलाफ उनकी लड़ाई सिर्फ वकील के रूप में नहीं बल्कि एक कपल के रूप में थी। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने धारा 377 को लेकर 157 साल पुराने कानून को बरकरार रखा था।

जिसे लेकर मेनका गुरुस्वामी ने कहा, ये सिर्फ एक वकील नहीं बल्कि एक इंसान के रूप में बड़ा नुकसान था। यह एक औपनिवेशिक युग का कानून था, लेकिन औपनिवेशिक युग के कानून को आज के वक्त में भी जारी रखना सही नहीं है।

गुरुस्वामी ने इंटरव्यू के दौरान मेनका ने कहा, सभी उप-औपनिवेशिक देशों में, मुझे लगता है कि हमारी सरकारों को यह समझना होगा कि ये हमारे कानून नहीं हैं, ये हमारी संस्कृतियां नहीं थीं। और हमें यह समझना होगा कि क्यों हम कानून में सुधार लाने और स्वतंत्रता का विस्तार करने में सक्रिय नहीं रहे हैं।

इन दोनों ने बताया कि श्रीलंका और मलेशिया के कार्यकर्ता भी अब देख रहे हैं कि कैसे इस फैसले का इस्तेमाल अपने देशों में समलैंगिकता

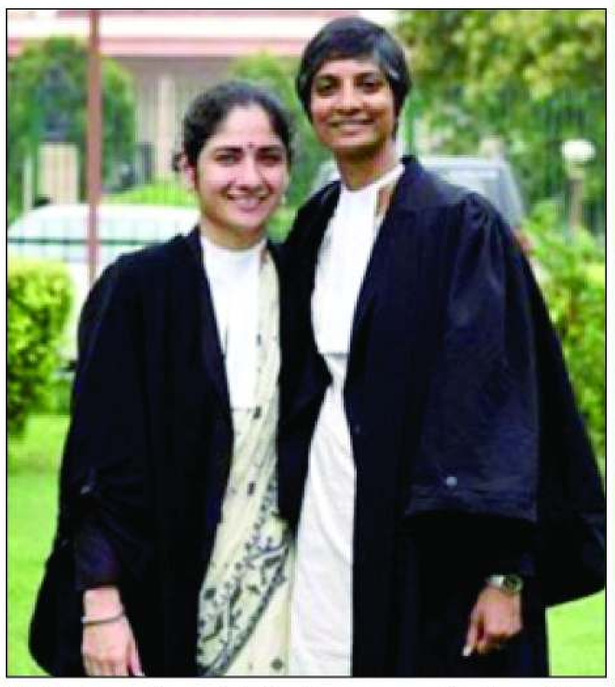

विरोधी कानूनों को पलटने के लिए किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर इन दोनों वकीलों को काफी लोगों ने शुभकानाएं दी हैं।